

# कोरोना के साथ कुछ ऐसे होते फिल्मी संवाद

अगर बॉलीवुड की फिल्में “कोरोना” पे बनती तो कैसे डॉयलॉग्स होते

\*शोले\* – ये मास्क मुझे दे दे, ठाकुर !! ?

\*दीवार\* – मेरे पास मास्क है,सेनिटाईजर है, इन्श्योरन्स है, बैंक बैलेन्स है, क्या है तुम्हारे पास ??

\*”मेरे पास कोरोना वेक्सिन है !!!”\*

\*दीवार\* – मैं आज भी लोगों से हाथ नहीं मिलाता !!

\*दबंग\* – कोविड से डर नहीं लगता साहब, लोकडाउन से लगता है !!

\*कुछ कुछ होता है\* – फेफड़ों में कुछ कुछ होता है अंजली, तुम नहीं समझोगी !!

\*बाजीराव मस्तानी\* अगर आपने हमसे हमारा सेनिटाईजर मांगा होता तो हम खुशी खुशी दे देते,मगर आपने तो मास्क ना पहनकर हमारा गुरुर ही तोड़ दिया ।

\*डॉन\* – कोरोना की वैक्सिन तो ग्यारह मुल्कों की डॉक्टर ढूँढ रही है, पर वैक्सिन को ढूँढना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है !!

\*देवदास\* -कौन कमबख्त है जो बर्दाश्त करने के लिये पीता है ?हम तो इसलिए पीते हैं कि देश की इकॉनमी ऊपर उठा सके, लोकडाउन को बर्दाश्त कर सके ! !

\*जिंदगी ना मिलेगी\* दोबारा – अगर साबुन से हाथ धो रहे हो ,तो जिंदा हो तुम । अगर चेहरे पे मास्क लगाकर घूम रहे हो तो जिंदा हो तुम । अगर सोशयल डिस्टन्सिंग फोलो कर रहे हो तो जिंदा हो तुम । अगर बारबार चेहरे पे हाथ नहीं लगा रहे तो जिंदा हो तुम । अगर घर में झाड़ू,पोछा,बरतन कर रहे हो तो जिंदा हो तुम ।

\*दामिनी\* – तारीख पे तारीख, तारीख पे तारीख ! ! हमेशा अगले लोकडाउन की तारीख ही मिलती रही है मीलार्ड, पर लोकडाउन की आखिरी तारीख नहीं मिली !

\*मैंने प्यार किया\* – क्वोरन्टाईन का एक उसूल है मैडम, नो मीटिंग, नो गोईंग आऊट ..

\*ओम शांति ओम\* अगर कोरोना के नए केस आने बंद नहीं हुए तो समझ लो कि लोकडाउन अभी बाकी है मेरे दोस्त !

\*मुगल-ए-आजम -\* सोशयल डिस्टन्सिंग तुम्हें मरने नहीं देगा और लोकडाउन तुम्हें जीने नहीं देगा ।

\*पाकीजा\* – आपके पाँव देखे, बहुत हसीन हैं । इन्हें घर पर ही रखिएगा वरना कोरोना हो जाएगा !!

\*दीवार\* -जाओ,पहले उस आदमी का साईन लेकर आओ जिसने बिना मास्क के पब्लिक में छींक दिया था !!

\*शहंशाह\* -रिश्ते में तो हम सारे वायरस के बाप लगते हैं, नाम है \*"कोरोना ""\* !!